

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 613वीं बैठक दिनांक 22/12/2022 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :-

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य ।
2. प्रो. (डॉ.) रूबीना चौधरी, सदस्य ।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य ।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य ।
5. प्रो. (डॉ.) आलोक मित्तल, सदस्य ।
6. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य ।
7. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य ।
8. श्री चन्द्र मोहन ठाकुर, सदस्य सचिव ।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

1. Case No 9239/2022 Director, M/s Pranjal Agrotech Pvt. Ltd, MIG-II, Housing Board Colony, Dist. Katni, MP - 483501, Prior Environment Clearance for Limestone & Dolomite Mine in an area of 2.109 ha. (Limestone – 11,148 Tonne per annum, Dolomite - 60102 Tonne per annum) (Khasra No. 22, 31), Village - Sejha, Tehsil - Badwara, Dist. Katni (MP) EIA Consultant: M/s. Aseries Envirotek India Pvt. Ltd. Lucknow U.P.

This is case of Limestone & Dolomite Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site Khasra No.22, 31), Village - Sejha, Tehsil - Badwara, Dist. Katni (MP) 2.109 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 581वीं दिनांक 24/06/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी । राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है ।

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री सुभाष चंद्र बंसल (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ. प्र. उपस्थित हुए । परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के पश्चिमी भाग से होकर एक कच्चा रोड़ निकल रहा है, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह कच्चा रास्ता इस खदान तक एवं अन्य खदानों तक का पहुंच मार्ग है तथा पश्चिम दिशा में ही एक ओर वैकल्पिक मार्ग आवागमन हेतु उपलब्ध है। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खनन् क्षेत्र में कुछ पिट्स हैं जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि पूर्व में खनन् 2022 तक हुआ है, क्योंकि यह खदान 1987 में स्वीकृत हुई थी तथा वर्तमान परियोजना प्रस्तावक को वर्ष 2000 में स्थानांतरित हुई है। खदान के दक्षिण दिशा में 540 मीटर पर एक तालाब है जिस हेतु गारलेंड ड्रेन एवं सेटलिंग पिट प्रस्तावित किये गये हैं तथा उत्तर दिशा में 360 मीटर पर आबादी है, जिसके कारण इस तरफ सघन वृक्षारोपण प्रस्तावित किया गया है। प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि कुल 04 पेड़ लगे हैं जिसमें से 03 बैरियर जोन में हैं तथा एक पेड़ काटा जाना प्रस्तावित है जिसके एवज में 10 अतिरिक्त पेड़ लगाये जायेगे। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो द्वारा गांव में पेयजल की समस्या, रोड़ का रखरखाव, खदान के चारो ओर फेंसिंग, आगनबाड़ी में लाईट एवं वृक्षारोपण हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा ई.एम.पी./सी.ई.आर. में शामिल किया गया। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन् हेतु समय निर्धारित कर कंट्रोल ब्लास्टिंग की जावेगी तथा खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर जल छिड़काव किया जायेगा। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक—ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता लाईम स्टोन – 11,148 टन प्रति वर्ष एवं डोलोमाईट – 60,102 टन प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 11.18 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 04.37 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 02.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर.	राशि(रु.में)
ग्राम सेझा में पेयजल के लिए हैंड पंप की स्थापना व मरम्मत कराई जायेगी।	50,000
गांव सेझा के सरकारी स्कूल (01नग 30वॉट) व आंगनवाड़ी (01नग 30वॉट) में सोलर लाईट की व्यवस्था कराई जायेगी।	55,000
वर्ष में दो बार ग्राम लौसी में स्थानीय ग्रामीणों के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविरों की व्यवस्था की जायेगी।	20,000
वाइल्ड लाइफ स्टाफ वेलफेयर के लिए	75,000
ग्राम सेझा के पास सड़क का रखरखाव कार्य कराया जायेगा।	ई.एम.पी. में शामिल
योग	2,00,000

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

1. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2541 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	शीशम, पीपल, खमेर, नीम, चिरौल, बबूल, एवं करंज आदि और उपलब्ध देशी प्रजातियाँ।	1000
2.	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	बरगद, चिरौल, नीम, पीपल, करंज और अन्य स्थानीय निवासियों द्वारा सुझाई गई प्रजातियाँ।	200
3	ग्राम सेझा के प्राथमिक विद्यालय में	अमलतास, नीम, कचनार, पुत्ररंजीवा, मौलश्री और अन्य सजावटी पेड़ इत्यादि।	20
4	सेझा ग्रामवासियों में वितरण हेतु	बेल, इमली, आंवला, बेर, आम, अमरुद सीताफल, मुनगा और अन्य फल देने वाले स्थानीय वृक्षारोपण की प्रजातियाँ।	1221
कुल			2541

2. **Case No 9466/2022 M/s Hira Marble, Bramhpuri Mohalla, Old city Kishangarh, District Ajmer (RJ)-305802 Prior Environment Clearance for Marble Mine in an area of 4.00 ha. (Marble - 4000 Cum per annum & Salable Waste – 16,000 Cum per annum) (Khasra No. 539/5, 539/6, 580/2, 565), Village - Papredi, Tehsil - Biohari, Dist. Shahdol (MP)**

This is case of Marble Mine. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 539/5, 539/6, 580/2, 565), Village - Papredi, Tehsil - Biohari, Dist. Shahdol (MP) 4.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री अभिषेक शर्मा (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 960 दिनांक 17/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई 02 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 5.0 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर दिशा में लगभग 550 मीटर की दूरी पर, पश्चिम दिशा में 605 मीटर की दूरी पर आबादी तथा पूर्व दिशा में 130 मीटर पर कच्चा रोड है जिनकी संरक्षण की योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

जाये । प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रकरण में खनन के दौरान ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा खनन वॉयर-सॉ कटिंग के माध्यम से किया जायेगा। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि पास में एक अन्य खदान स्थित है, जिसमें पर्यावरणीय संक्षण हेतु कोई कार्य किया जाना दृष्टिगत नहीं होता है, अतः परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख करें कि यह खदान किसको आवंटित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रभारी अधिकारी(खनिज शाखा) जिला-शहडोल द्वारा पत्र क्र०. 967 दिनांक 17/11/22 द्वारा उल्लेख किया है, कि वर्तमान में जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित हो चुकी है। उक्त प्रकरण में सैद्धांतिक मंजूरी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित होने के पश्चात् जारी हुई है जिससे कि उक्त खनिज मार्बल उत्खनिपट्टा को डी.एस.आर. में शामिल नहीं किया गया है। उक्त प्रकरण में सम्पूर्ण औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत उक्त उत्खनिपट्टा को आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित कर लिया जायेगा। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर दिशा में लगभग 550 मीटर की दूरी पर, पश्चिम दिशा में 605 मीटर की दूरी पर आबादी तथा पूर्व दिशा में 130 मीटर पर कच्चा रोड है जिनकी संरक्षण की योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये ।
2. प्रश्नाधीन खदान के दक्षिण-पश्चिम भाग में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान निर्धारित किया जाये तथा उसका विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
4. इस खदान के पास एक अन्य खदान स्थित है, जिसमें पर्यावरणीय संक्षण हेतु कोई कार्य किया जाना दृष्टिगत नहीं होता है, अतः परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख करें कि यह खदान किसको आवंटित है।
5. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
6. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
7. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
8. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैंड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

9. नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज हो ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये ।

3. Case No 9475/2022 M/s Hera Marble, Bramhpuri Mohalla, Old City Kishangarh District Ajmer, (RJ)-305802, Prior Environment Clearance for Marble Quarry in an area of 4.00 ha. (Marble - 4000 Cum per annum & Salable Waste – 16,000 Cum per annum) (Khasra No. 537/2, 539/2, 539/3, 539/4), Village - Papredi, Tehsil - Beohari, Dist. Shahdol (MP)

This is case of Marble Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 537/2, 539/2, 539/3, 539/4), Village - Papredi, Tehsil - Beohari, Dist. Shahdol (MP) 4.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री अभिषेक शर्मा (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए । प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 961 दिनांक 17/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई 02 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है जिनका कुल रकबा 5.0 हे. से अधिक होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर दिशा में लगभग 460 मीटर की दूरी पर, पश्चिम दिशा में 360 मीटर की दूरी पर आबादी तथा पूर्व दिशा में 300 मीटर पर कच्चा रोड है जिनकी संरक्षण की योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये । प्रश्नाधीन खदान में एक सिविल स्ट्रक्चर तथा कुछ पेड़ लगे हैं, अतः पेड़ों की प्रजाति, ऊंचाई एवं गirth फोटोग्राफ एवं सिविल स्ट्रक्चर का विवरण सहित जानकारी ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रकरण में खनन के दौरान ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा खनन वॉयर-सॉ कटिंग के माध्यम से किया जायेगा। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रभारी अधिकारी(खनिज शाखा) जिला-शहडोल द्वारा पत्र क्र०. 966 दिनांक 17/11/22 द्वारा उल्लेख किया है, कि वर्तमान में जिले की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित हो चुकी है। उक्त प्रकरण में सैद्धांतिक मंजूरी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित होने के पश्चात् जारी हुई है जिससे कि उक्त खनिज मार्बल उत्खनिपट्टा को डी.एस. आर. में शामिल नहीं किया गया है। उक्त प्रकरण में सम्पूर्ण औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत उक्त उत्खनिपट्टा को आगामी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित कर लिया जायेगा। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ. आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

1. खदान के उत्तर दिशा में लगभग 460 मीटर की दूरी पर, पश्चिम दिशा में 360 मीटर की दूरी पर आबादी तथा पूर्व दिशा में 300 मीटर पर कच्चा रोड है जिनकी संरक्षण की योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये ।
2. प्रश्नाधीन खदान में एक सिविल स्ट्रक्चर तथा कुछ पेड़ लगे हैं, अतः पेड़ों की प्रजाति, ऊँचाई एवं गirth फोटोग्राफ एवं सिविल स्ट्रक्चर का विवरण सहित जानकारी ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान निर्धारित किया जाये तथा उसका विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजिकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
6. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लान, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
7. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैंड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
8. नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज हो ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये ।

4. Case No 9476/2022 M/s Sharma Associates, Shri Dinesh Sen, Prop., Devri Rajmarg, Dist. Narsinghpur, MP - 487330, Prior Environment Clearance for Sand Quarry in an area of 10.0 ha. (30000 Cum per annum) (Khasra No. 558), Village - Kudakalan, Tehsil - Shahpura, Dist. Jabalpur (MP)

This is case of Sand Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 558), Village - Kudakalan, Tehsil - Shahpura, Dist. Jabalpur (MP) 10.0 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री दिनेश सेन और उनकी ओर से पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2832 दिनांक 14/10/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है एवं इस खदान का क्षेत्रफल 10.00 हे. होने के कारण यह प्रकरण बी-1 श्रेणी का है।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

यह रेत नर्मदा नदी पर स्थित है तथा परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि वांछित रेत की पूर्ति (Replenishment) हो रही है जिसका विवरण सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित खनन योजना में वर्णित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के कुछ भाग में पानी भरा हुआ है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान का वह भाग जिसमें पानी भरा है वहाँ पर खनन नहीं किया जायेगा। प्रस्तुतीकरण पश्चात् समिति ने अनुशंसा की कि परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ जियोटेग फोटोग्राफ मय संबंधित खनिज अधिकारी का प्रमाण-पत्र के साथ प्रस्तुत करेंगे, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि आवंटित खनन क्षेत्र में खनन हेतु स्वीकृत मात्रा में रेत उपलब्ध है। चूंकि आवंटित खनन क्षेत्र नर्मदा नदी पर है अतः सिर्फ मेन्युअल माईनिंग ही की जाये। परियोजना प्रस्तावक ने नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड की है, जिसमें इस खदान के विवरण में पेज नं.-60 के सरल क्रमांक-26 पर माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल (60 प्रतिशत)-30,000 घनमीटर उल्लेखित है तथा टॉर भी 30,000 घन मीटर प्रति वर्ष हेतु चाहा गया है जो माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल (60 प्रतिशत) के अनुरूप है। प्रकरण की विवेचना के दौरान समिति ने पाया कि अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में खदानों के सभी को-आर्डिनेट नहीं दिये गये हैं, जिस कारण खसरा अनुसार खदान नदी में खदान की स्थिति दर्शानेवाली आकृति नहीं बन रही है, जबकि खदान नदी के क्षेत्र में स्थित है, अतः सम्पूर्ण खदान क्षेत्र का डी.जी.पी.एस. सर्वे कर उस पर संबंधित खनिज अधिकारी प्रमाणीकरण प्राप्त कर, खदान के सभी डी.जी.पी.एस. को-आर्डिनेट ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ संलग्न कर प्रस्तुत किया जाये, जिससे गूगल इमेज में खदान का सम्पूर्ण क्षेत्र दर्शित हो सके। यदि डी.जी.पी.एस. सर्वे के पश्चात् प्राप्त को-आर्डिनेट तथा वर्तमान में अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में अंकित को-आर्डिनेट में कोई सुधार वांछित हो तो उसे संबंधित जिला खनिज अधिकारी के संज्ञान में लाकर जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में अंकित कर उस पर अनुमोदन प्राप्त किया जाये। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व निम्न विशिष्ट शर्तों के साथ टॉर की अनुशंसा करती है :-

1. खनिज परिवहन के दौरान परिवहन मार्ग पर रिफ्लेक्टरों की स्थापना, स्पीड ब्रेकर एवं रोड जंक्शन के विकास के लिए उपयुक्त बजट पर्यावरण प्रबंधन योजना में शामिल कर ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
2. यदि लीज एरिया के अपस्ट्रीम या डाउनस्ट्रीम में कोई रोड़, ब्रिज/या अन्य कोई सिविल निर्माण जैसे : स्टापडेम अथवा कॉजवे इत्यादि लीज में या लीज के आसपास स्थित हो तो वहाँ मॉनिटरिंग एवं इंफोर्समेंट गाइडलाईन, 2020 (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित) के अंतर्गत सुरक्षित दूरी छोड़े एवं इसका सम्पूर्ण विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
3. नदी के किनारे से 100 मीटर की दूरी एक्वेटिक फ्लोरल एण्ड फोनल स्टण्डी कर उसकी रिपोर्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
4. यदि नदी का प्रवाह आवंटित लीज क्षेत्र से हो रहा हो तो नदी के पानी के क्षेत्र को गैर खनन क्षेत्र के रूप में छोड़कर एवं यदि कोई सहायक नदी / नाला आवंटित लीज क्षेत्र में मिल रहा

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

हो तो सेंड माईनिंग गाइडलाइन, 2016 एवं 2020 के दिशा-निर्देशों के अनुसार उसे गैर खनन के रूप में छोड़ते हुए संशोधित नक्शा (सरफेस मेप) ई.आई.ए रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।

5. परियोजना प्रस्तावक द्वारा वचन-पत्र कि यदि खनन क्षेत्र के किनारों पर हरित क्षेत्र अस्तित्व में हो तो ऐसे क्षेत्रों को गैर खनन क्षेत्र के रूप में सुरक्षित रखा जावेगा तथा संशोधित नक्शा (सरफेस मेप) ई.आई.ए रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत किया जाये।
6. रेत परिवहन मार्ग को गूगन नक्शों में अंकित कर ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
7. आवंटित खनन क्षेत्र के किनारों पर भू-क्षरण रोकने हेतु समुचित वृक्षारोपण योजना एवं आसपास स्थित शासकीय भूमि पर ड्रोन के माध्यम से सीड वॉल तकनीक पर आधारित वृक्षारोपण योजना की संभावनाओं का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
8. आवंटित खनन क्षेत्र में यदि एक्वेटिक फोना ब्रीडिंग क्षेत्र हो तो उसकी जानकारी ई.आई.ए. रिपोर्ट में मय संरक्षण योजना के प्रस्तुत करें।
9. आवंटित खनन क्षेत्र के आसपास शासकीय भूमि पर रेनवॉटर हार्वेस्टिंग की संरचनाओं के निर्माण की संभावनाओं का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
10. आवंटित खनन क्षेत्र के आसपास की भूमि पर एग्रोफॉरेस्ट्री की संभावनाओं का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
11. चूँकि खदान नदी के क्षेत्र में स्थित है, अतः सम्पूर्ण खदान क्षेत्र का डी.जी.पी.एस. सर्वे कर उस पर संबंधित खनिज अधिकारी प्रमाणीकरण प्राप्त कर, खदान के सभी डी.जी.पी.एस. को-आर्डिनेट ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ संलग्न कर प्रस्तुत किया जाये, जिससे गूगल इमेज में खदान का सम्पूर्ण क्षेत्र दर्शित हो सके। यदि डी.जी.पी.एस. सर्वे के पश्चात् प्राप्त को-आर्डिनेट तथा वर्तमान में अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में अंकित को-आर्डिनेट में कोई सुधार वांछित हो तो उसे संबंधित जिला खनिज अधिकारी के संज्ञान में लाकर जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में अंकित कर उस पर अनुमोदन भी प्राप्त किया जाये।
12. पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के O.M. No. Z-11013/57/2014-I.A. II (M) दिनांक 29/10/14 के अनुसार अध्ययन कर विवरण ई.आई.ए रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
13. परियोजना प्रस्तावक ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ जियोटेग फोटोग्राफ मय संबंधित खनिज अधिकारी का प्रमाण-पत्र के साथ प्रस्तुत करेंगे, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि आवंटित खनन क्षेत्र में खनन हेतु स्वीकृत मात्रा में रेत उपलब्ध है।

5. Case No 9486/2022 Shri Manish Sharma S/o Shri Ramsevak Sharma R/o 46, Shanti Vihar, Darpan Colony, District Gwalior (MP)-476111 Prior Environment Clearance for Stone & M-Sand Quarry in an area of 1.575 ha. (32340 Cum per annum) (Khasra No. 23, 24), Village - Gangapur, Tehsil - Dabra, Dist. Gwalior (MP)

This is case of Stone & M-Sand Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 23, 24), Village - Gangapur, Tehsil -

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

Dabra, Dist. Gwalior (MP) 1.575 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री मनीष शर्मा और उनकी ओर से पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 11928 दिनांक 09/11/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित है एवं इन खदानों का क्षेत्रफल 5.0 हे. से अधिक होने के कारण यह प्रकरण बी-1 श्रेणी का है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के पश्चिम दिशा में लगभग 25 मीटर की दूरी पर कच्चा रोड़, दक्षिण-पूर्वी दिशा में 960 मीटर पर आबादी तथा दक्षिण दिशा में 375 मीटर पर नहर है जिनकी संरक्षण की योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये। प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-53 के सरल क्रमांक-168 पर दर्ज है। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टेण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ. आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. खदान के पश्चिम दिशा में लगभग 25 मीटर की दूरी पर कच्चा रोड़, दक्षिण-पूर्वी दिशा में 960 मीटर पर आबादी तथा दक्षिण दिशा में 375 मीटर पर नहर है जिनकी संरक्षण की योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये।
2. प्रश्नाधीन खदान के दक्षिण-पश्चिम भाग में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
3. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाइल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान निर्धारित किया जाये तथा उसका विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
4. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजिकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें।
5. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।
6. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
7. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैंड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

6. Case No 9478/2022 Shri Nitin Kumar Sarawagi, Owner, R/o 1680, Civil line, Jhansi, District Jhansi (UP)-474001 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.752 ha. (100000 Cum per annum) (Khasra No. 659/Gha (P)), Village - Devri Bamnau, Tehsil - Niwari, Dist. Niwari (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 659/Gha (P)), Village - Devri Bamnau, Tehsil - Niwari, Dist. Niwari (MP) 3.752 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री नितिन कुमार सरावगी और उनकी ओर से पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंडिया प्रा.लि., लखनऊ, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 530 दिनांक 02/11/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित है एवं इन खदानों का क्षेत्रफल 5.0 हे. से अधिक होने के कारण यह प्रकरण बी-1 श्रेणी का है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के पूर्व दिशा में लगभग 750 मीटर की दूरी पर नदी, पश्चिम दिशा में 90 मीटर तथा उत्तर दिशा में 385 मीटर पर रोड़ है जिनकी संरक्षण की योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये। प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये। प्रश्नाधीन खदान में कुछ शेड़ बने दिख रहे हैं जिनकी स्थिति एवं परियोजना ई.आई.ए. में स्पष्ट की जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा अपलोड नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान का विवरण दर्ज नहीं है और परियोजना प्रस्तावक पत्र दिनांक 16/11/22 अनुसार ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ जिला सर्वेक्षण प्रस्तुत करने का उल्लेख किया गया है। उपरोक्त विवरण के परिप्रेक्ष्य में समिति इस प्रकरण में ई.आई.ए. तैयार करने हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी स्टैण्डर्ड टॉर, एनेक्जर-डी में उल्लेखित मानक शर्तों व विशिष्ट शर्तों के साथ टी.ओ.आर. जारी करने की समिति अनुशंसा करती है :-

1. खदान के पूर्व दिशा में लगभग 750 मीटर की दूरी पर नदी, पश्चिम दिशा में 90 मीटर तथा उत्तर दिशा में 385 मीटर पर रोड़ है जिनकी संरक्षण की योजना ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये।
2. प्रश्नाधीन खदान में कुछ पेड़ लगे दिख रहे हैं, अतः उसकी प्रजाति, ऊँचाई एवं गर्थ फोटोग्राफ सहित ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये।
3. प्रश्नाधीन खदान में कुछ शेड़ बने दिख रहे हैं जिनकी स्थिति एवं परियोजना ई.आई.ए. में स्पष्ट की जाये।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

4. ई.आई.ए. अध्ययन के दौरान क्षेत्र में 04 से 05 स्थानों (जिसमें से एक स्थान आवंटित खनन क्षेत्र के बैरियर जोन में हो) पर 01 मीटर X 01 मीटर X 01 मीटर का ट्राईल पिट खोद कर उसके स्वाईल प्रोफाइल का अध्ययन कर वृक्षारोपण का स्थान निर्धारित किया जाये तथा उसका विवरण ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
5. यदि भू-जल का प्रतिछेदन प्रस्तावित हो तो लीज एरिया का हाइड्रो जियोलॉजीकल अध्ययन कर ई.आई.ए. रिपोर्ट में उल्लेख करें ।
6. रेनवॉटर हार्वेस्टिंग तथा रिवर रिजुविनेशन हेतु किसी विशेषज्ञ द्वारा एक्यूफर, परकोलेशन टैंक, रिर्चाज शॉफ्ट एवं सब सरफेस डायक का अध्ययन कर प्रतिवेदन ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
7. ओवर बर्डन एवं टॉपस्वाइल मैनेजमेंट प्लॉन, ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत की जाये ।
8. भूमि का वर्तमान लैंड यूज क्या है, के संबंध में सक्षम प्राधिकारी का प्रतिवेदन तथा ऑल्टरनेट ग्रेजिंग लैण्ड मैनेजमेंट योजना ई.आई.ए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करें ।
9. नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट जिसमें इस खदान का विवरण दर्ज हो ई.आई.ए. के साथ प्रस्तुत की जाये ।
10. परियोजना प्रस्तावक अपनी वेबसाइट बनाये, जिसमें ई.सी. प्राप्ति के पश्चात् पर्यावरणीय प्रबंधन योजना तथा वृक्षारोपण इत्यादि के संदर्भ में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन उसमें अपलोड करेंगा। परियोजना प्रस्तावक वेबसाइट बनाये जाने संबंधी जानकारी ई.आई.ए. रिपोर्ट साथ प्रस्तुत करें ।

7. Case No 9468/2022 M/s GHV India Pvt. Ltd., Project Manager, Shri Ashok Kumar Sharma, AML Center 1, Mahal Industrial Area, Mahakali Caves Road, Andheri (East) Mumbai-400093, Prior Environment Clearance for Stone, M-Sand & Murum Quarry in an area of 2.50 ha. (Stone 75000 Cum per year, M-Sand 10000 cum per year, Murum 10000 cum) (Khasra No. 2640), Village - Panbihar, Tehsil - Ghatiya, Dist. Ujjain (MP)

This is case of Stone, M-Sand & Murum Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2640), Village - Panbihar, Tehsil - Ghatiya, Dist. Ujjain (MP) 2.50 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री अशोक कुमार शर्मा (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1861 दिनांक 19/10/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के पश्चिम दिशा में 185 मीटर तथा उत्तर दिशा में 275 मीटर पर रोड़ है तथा उत्तर दिशा में 225 मीटर पर शेड है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि व्ही.एस.आई. तकनीक आधारित एम-सेंट प्लांट स्थापित किया जायेगा, जिसमें वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु बैगफिल्टर तथा दूषित जल का सेटलिंग के पश्चात् पुर्नउपयोग किया जायेगा । सेटलिंग टैंक में जमा स्जल का अपवहन सुखाने के पश्चात् खनन क्षेत्र में किया जायेगा । कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सिवनी के पत्र क्रमांक 1974 दिनांक 16/11/22 के द्वारा सूचित किया गया कि जिला डिस्ट्रिक सर्वे रिपोर्ट वर्ष 2022-23 में तैयार की गई है जबकि उक्त अस्थाई अनुज्ञा जिला डिस्ट्रिक सर्वे रिपोर्ट तैयार होने के पश्चात् स्वीकृत की गई है । उक्त अस्थाई अनुज्ञा में संपूर्ण प्रक्रिया (उत्खनि पट्टा संचालन) हो जाने उपरांत नवीन जिला डिस्ट्रिक सर्वे रिपोर्ट में उक्त अस्थाई अनुज्ञा को सम्मिलित कर लिया जावेगा। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन-75,000 मी³ प्रति वर्ष, एम. सैंड-10,000 मी³ प्रति वर्ष एवं मुरुम – 10,000 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 14.01 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 04.37 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 02.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम पानबिहार में स्थित तालाब के पास घाट निर्माण किया जावेगा एवं बेंचेस लगवाई जावेगी ।	1,00,000
ग्राम पानबिहार में पंचायत के परामर्श से ग्रामवासियों के लिए पानी की उपलब्धता हेतु हैंडपंप लगवाया जावेगा ।	1,00,000
योग	2,00,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3000 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा(संख्या में)
-----	---	---------------------	--------------------

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

1	बैरियर जोन में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, खमेर, आवला, नीम, जंगल जलेबी, सिस्सू, पीपल, बरगद, करंज आदि।	450
2	खदान क्षेत्र के परिवहन मार्ग तथा ग्रामीण मार्ग के दोनों ओर 500 मीटर तक (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, पीपल, पुत्रंजीवा, करंज, सप्तपर्णी, जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू, कदम आदि।	350
3	ग्राम पानबिहार के नजदीक स्थित प्राथमिक उपचार केंद्र में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- आवला, कदम, पुत्रंजीवा, मोलश्री, पपीता, आम, मुनगा, कटहल, करंज आदि।	50
4.	ग्राम पानबिहार के शासकीय माध्यमिक शाला के मैदान में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, मोलश्री, पुत्रंजीवा, करंज, नीम, पीपल, सप्तपर्णी, कदम आदि।	150
5.	ग्राम पानबिहार एवं समीप स्थित ग्राम के ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- मुनगा, आम, जामुन, अमरुद, सीताफल, आमला, अनार, निम्बू, कटहल आदि।	2000
कुल			3000

8. Case No 9473/2022 Shri Deepak Banjara, Owner, R/o Village Lodiya, Tehsil & District Shajapur (MP)-465001, Prior Environment Clearance for Murum Quarry in an area of 1.00 ha. (5001 Cum per annum) (Khasra No. 573/Min-3, 573/Min-5 & 108/Min-1/Min-2), Village - Lodiya, Tehsil - Shajapur, Dist. Shajapur (MP)

This is case of Murum Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 573/Min-3, 573/Min-5 & 108/Min-1/Min-2), Village - Lodiya, Tehsil - Shajapur, Dist. Shajapur (MP) 1.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री दीपक बंजारा (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 586 दिनांक 23/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के पूर्व दिशा में 160 मीटर तथा उत्तर दिशा में 175 मीटर पर रोड़, दक्षिण-पूर्व दिशा में 220 मीटर पर जलीय निकाय तथा दक्षिण-पश्चिम दिशा में 280 मीटर पर कच्चा रोड़ एवं आबादी है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जलीय निकाय के संरक्षण हेतु गारलैंड ड्रेन

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-57 के सरल क्रमांक-14 पर दर्ज है तथा खनन के दौरान ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मरुम - 5001 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 05.48 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.13 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
उत्खनिपट्टे के पूर्व में स्थित चीलर डैम पर आने वाले प्रवासी पक्षियों के बारे में जानकारी इकट्ठी करके पूर्ण जानकारी का समावेश कर रिपोर्ट 10 प्रतियों में तैयार करके वन विभाग, जिला पंचायत, कलेक्टर कार्यालय, खनिज विभाग, सिया एवं सेक मध्यप्रदेश एवं अन्य विभाग में जमा करी जावेगी	30,000.

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1250 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन के अंतर्गत (खदान पट्टा सीमा 432 मीटर परिधि तक)	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- खमेर, जंगल जलेबी, आवला, नीम, कस्टार, करंज, चिरोल आदि।	300
2	खदान क्षेत्र के परिवहन मार्ग तथा ग्रामीण मार्ग के दोनों ओर 300 मीटर तक (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:-सिस्सू, पीपल, करंज, चिरोल, पुत्रंजीवा, नीम आदि।	200
3	ग्राम लोंदिया के नजदीक स्थित प्राथमिक उपचार केंद्र में	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- पुत्रंजीवा, मोलश्री, संतरा, पपीता, आम, इमली, मुनगा, कटहल, करंज, आवला आदि।	50
4.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- आमला, सीताफल, आम, अमरुद, अनार, कटहल, निम्बू, जामुन, मुनगा आदि।	700
कुल			1250

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

9. Case No 9467/2022 Shri Piyush Patidar, Lessee, R/o Golwadi, Tehsil Segaoon, District Khargone (MP)-451442, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (10000 Cum per year) (Khasra No. 606(S), Village - Segaoon, Tehsil - Segaoon, Dist. Khargone (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 606(S), Village - Segaoon, Tehsil - Segaoon, Dist. Khargone (MP) 2.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री पीयूष पाटीदार (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 3772 दिनांक 02/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 4.0 हे. होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के पूर्व दिशा में 450 मीटर पर शासकीय स्कूल एवं आबादी, पश्चिम दिशा में 465 मीटर पर पक्का रोड़, उत्तर दिशा में नहर 120 मीटर तथा दक्षिण दिशा में तालाब 130 मीटर तथा दक्षिण दिशा में 440 मीटर पर प्राकृतिक नाला है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्राकृतिक नाले के संरक्षण हेतु गारलेंड ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं तथा अनुमोदित खनन योजना अनुसार खनन रॉक ब्रेकर से किया जायेगा। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के पत्र क्रमांक 8770 दिनांक 02/11/22 के द्वारा सूचित किया गया कि वर्तमान में जिले की सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित हो चुकी है। उक्त प्रकरण में सैद्धांतिक मंजूरी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित होने के पश्चात् जारी हुई है, जिससे की उक्त पत्थर गिट्टी उत्खनिपट्टा को डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है। उक्त प्रकरण में संपूर्ण औपचारिकतायें पूर्ण होने के उपरांत उक्त उत्खनिपट्टा को आगामी डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट में सम्मिलित किया जायेगा। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 10,000 मी³ प्रति वर्ष।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 09.83 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 03.03 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
उत्खनिपट्टे के दक्षिण दिशा में स्थित चेक डेम के पास घाट एवं बैठने के लिए बेंचेस कि व्यवस्था जावेगी एवं उसके आस पास वृक्षारोपण करवाकर उनकी सुरक्षा के ट्री गार्ड लगाए जावेंगे	60,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन मे	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- खमेर, चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, पीपल, सफेद कैस्टर, करंज आदि।	380
2	खदान क्षेत्र के परिवहन मार्ग एवं ग्रामीण मार्ग के दोनों ओर 500 मीटर तक (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पीपल, करंज, सप्तपर्णी, चिरोल, बरगद, जंगल जलेबी, पुत्रंजीवा, नीम, सिस्सू आदि।	300
3	ग्राम लौदी बी के नजदीक स्थित प्राथमिक उपचार केंद्र में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- कदम, पुत्रंजीवा, मोलश्री, पपीता, आम, मुनगा, कटहल, आवला करंज, आदि।	60
4.	ग्राम सेगॉव के शासकीय शाला परिसर में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, मोलश्री, पुत्रंजीवा, करंज, नीम, पीपल, सप्तपर्णी, कदम आदि।	100
5.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- आम, जामुन, अमरुद, सीताफल, आमला, अनार, निम्बू, मुनगा, कटहल आदि।	1560
कुल			2400

10. Case No 9464/2022 M/s Sisodiya Mining Pvt.Ltd., Director Shri Thakur Vinay Bhadur Singh R/o Satyendra Bhawan, Bhatta Mohalla, Tehsil & District Katni (MP)-483501, Prior Environment Clearance for Quartzite & Dolomite Quarry in an area of 4.80 ha. (Quartzite 15000 TPA and Dolomite 500 TPA) (Khasra No. 328/5), Village - Bhatgawan-Sunhara, Tehsil - Mudwara, Dist. Katni (MP)

This is case of Quartzite & Dolomite Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 328/5), Village - Bhatgawan-Sunhara,

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

Tehsil - Mudwara, Dist. Katni (MP) 4.80 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री ठाकुर विनय बहादुर सिंह (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी., बड़ौदरा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2451 दिनांक 01/11/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी नहीं दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि किसी कारणवश वह अपना यह प्रकरण वापिस लेना चाहते हैं तथा इस बावत् अनुरोध पत्र दिनांक 21/12/22 के माध्यम से किया गया है जो प्रस्तुतीकरण के साथ संलग्न है। समिति ने चर्चाकर निर्णय लिया चूंकि परियोजना प्रस्तावक स्वयं अपना प्रकरण वापिस लेना चाहते हैं, अतः इस अनुरोध को स्वीकार प्रकरण को सिया की ओर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जाये।

11. Case No 9469/2022 M/s Euphoria Mines & Minerals, Partner, Shri Himanshu Meena, 9A, Paramount Villa, Near Ansal, Shamla Hills, Bhopal - 462013, Prior Environment Clearance for Sand Quarry in an area of 5.00 ha. (88200 Cum per annum) (Khasra No. 385), Village - Sultanganj, Tehsil - Udaipura, Dist. Raisen (MP)

This is case of Sand Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 385), Village - Sultanganj, Tehsil - Udaipura, Dist. Raisen (MP) 5.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री हिमांशु मीणा (ऑनलाईन) और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री रामविशाल शुक्ला, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., नोयडा, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 920 दिनांक 16/08/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने यह पाया कि ऑनलाईन अपलोडेड गूगल इमेज अनुसार खदान नर्मदा नदी में स्थित है तथा परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि वांछित रेत की पूर्ति (Replenishment) हो रही है जिसका विवरण सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित खनन योजना में वर्णित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि रायसेन जिले की नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के तालिका-20 के सरल क्रमांक-27 पर इस खदान का विवरण दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-90,000 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 88,200 घनमीटर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था। अतः पर्यावरणीय अभिस्वीकृति इसी मात्रा अर्थात् 88,200 घनमीटर हेतु

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

अनुशंसित किया जाये । रेत का परिवहन आवंटित खनन् क्षेत्र के उत्तरी भाग से किया जायेगा तथा नर्मदा नदी में होने के कारण खनन् कार्य मैन्युली किया जायेगा । प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया गया कि स्वीकृत लीज की समयावधि मात्र एक वर्ष (जून, 2023) ही हेतु ही है तथा समिति का यह चिंता है कि रोपे गये पौधों की देख-भाल कौन करेगा । अतएव समिति की चर्चा उपरांत यह अनुशंसा है, कि खदान मालिक द्वारा प्रस्तावित किये गये समस्त वृक्षारोपण का कार्य परियोजना प्रस्तावक वन विभाग से करवायेगा, क्योंकि सभी खदानें एक परियोजना प्रस्तावक की होने के साथ-साथ एक ही जिले में स्थित है, जिनका कुल क्षेत्रफल 10.00 हेक्टेयर से अधिक है एवं इस हेतु आवश्यक धनराशि शासन को नियमानुसार वन विभाग के FDA एकाउंट में जमा करेंगे, जिससे विभाग परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत वृक्षारोपण योजना अनुसार वृक्षारोपण कार्य करवायेंगे साथ ही आगामी 03 वर्षों तक उनकी देखभाल भी करेंगे। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत – 88,200 मी³ प्रति वर्ष ।
2. खनन् कार्य नर्मदा नदी होने के कारण मैन्युली किया जाये ।
3. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 31.12 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 04.09 लाख प्रति वर्ष ।
4. खदान संचालन शुरू करने के पहले परियोजना प्रस्तावक जिला मत्स्य पालन विभाग अधिकारी का अभिमत प्राप्त करेंगे कि खनन् क्षेत्र में कोई Critical aquatic habitat of aquatic fauna तो नहीं है और यदि किसी क्षेत्र का संज्ञान होगा तो अनुकूल रोकथाम के उपाय विषय विशेषज्ञ के सुझाव अनुसार अपनाये जायेंगे ।
5. परियोजना प्रस्तावक वृक्षारोपण कार्य संबंधित वनमंडलाधिकारी, वन विभाग से करवायेंगे तथा इस हेतु प्रावधानित धनराशि रुपये 19.00 लाख शासन के नियमानुसार वन विभाग के FDA एकाउंट में जमा करेंगे तथा संबंधित वनमंडलाधिकारी वन क्षेत्र में स्थल का चयन व योजना तैयार कर वृक्षारोपण करेंगे, आगामी 03 वर्षों तक उनकी देखभाल करेंगे तथा परियोजना प्रस्तावक को सूचित करेंगे ।
6. वनमंडलाधिकारी, वन विभाग द्वारा लिखित में वृक्षारोपण हेतु परियोजना प्रस्तावक का प्रस्ताव अस्वीकृत किये जाने की स्थिति में परियोजना प्रस्तावक स्वयं निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्य (सतत सिंचाई, 01 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) संपादित करेंगे :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर	करंज, कट्ग बॉसं जामुन कहवा खस, नागर मोथा , पुत्रंजीवा, मौलश्री खमेर एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	4500
2	आवंटित लीज क्षेत्र के आसपास उपलब्ध क्षेत्र	कट्ग बॉसं, कहवा, खमेर, सफेद, सिरस, नीम, सेमल, आंबला, हरसिंगार, कालासिरस, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ वन विभाग के	1000

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

	(केंचमेंट एरिया-इच्छुक ग्रामीणों के खेत) में	सुझाव अनुसार	
3	ग्राम सुलतानगंज के ग्राम पंचायत भवन, आंगनवाड़ी, शासकीय विद्यालय में	कदंब, कचनार, अमलतास, अशोक, नीम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	500
कुल			6000

7. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.40 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम सुलतानगंज, के शासकीय विद्यालय में दो कम्प्युटर, प्रिंटर, प्रिंटर, टेबल के साथ	60,000 / -
ग्राम सुलतानगंज, के शासकीय विद्यालय में बोरवेल की मरम्मत	40,000 / -
योग	1,00,000 / -

12. Case No 9491/2022 M/s VVC SRL Project Pvt. Ltd. Authorized Person, Shri Brij kishor Singh R/o A.B. Road, Raghogarh, District Guna (MP), Prior Environment Clearance for Barnawad Murum Quarry in an area of 0.750 ha. (5000 Cum per annum) (Khasra No. 683/1,2,3), Village - Barnawad, Tehsil - Sagar, Dist. Sagar (MP)

This is case of Murum Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 683/1,2,3), Village - Barnawad, Tehsil - Sagar, Dist. Sagar (MP) 0.750 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री बृजकिशोर सिंह (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री रामविशाल शुक्ला, मेसर्स एसीरिज इंवायरोटेक इंडिया प्रा.लि., नोयडा, उ. प्र.उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1367 दिनांक 20/09/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के दक्षिण-पूर्व दिशा में 235 मीटर पर नदी, उत्तर दिशा में 100 मीटर पर आबादी है तथा उत्तर दिशा में ही 70-80 मीटर पर 02 मकान हैं, जिस कारण 30 मीटर का सेटबैक नॉन माईनिंग क्षेत्र

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

दिखाते हुए प्रस्तुतीकरण में प्रस्तावित किया गया है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया आबादी व मकान को ध्यान में रखते हुए उस दिशा में 05 पक्तियों में वृक्षारोपण भी किया जायेगा, जिसका प्रस्तावक वृक्षारोपण योजना में दिया गया है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन् खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के अध्याय-13 के सरल क्रमांक-04 पर दर्ज है तथा खनन् के दौरान ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि आवंटित खदान का क्षेत्रफल 0.75 हे. है जो 1.0 हे. की न्यूनतम सीमा से कम है तत्संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला – सागर ने पत्र क्रमांक 1998 दिनांक 25/11/2022 के अनुसार सदस्य सचिव, सिया को अवगत कराया है कि म.प्र. गौड खनिज नियम 1996 के नियम-4(4) के अंतर्गत उत्खनन् पट्टे हेतु न्यूनतम क्षेत्र 1.0 हे. निर्धारित किया गया है किंतु सदर प्रकरण म.प्र. गौड खनिज नियम 1996 के नियम 68 के अंतर्गत स्वीकृत अस्थाई उत्खनन् अनुज्ञा से संबंधित है उक्त नियम में न्यूनतम क्षेत्र के संबंध में कोई प्रावधान नहीं है तथा इसी आधार पर सिया ने हमारे प्रकरण को स्वीकार किया है। समिति ने म. प्र. गौड खनिज नियम 1996 के नियम 68 में उल्लेखित प्रावधानों का अवलोकन किया किंतु उसमें न्यूनतम क्षेत्र को अस्थाई अनुज्ञा हेतु शिथिल किये जाने का प्रावधान उल्लेखित नहीं है। परियोजना प्रस्तावक ने अवगत कराया कि यह खदान मध्यप्रदेश रोड़ डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लि., सागर द्वारा सागर – रेहली मार्ग के निर्माण हेतु मुरुम की आवश्यकता के परिप्रेक्ष्य में स्वीकृत की गई है। इस प्रकरण में आवेदन स्वीकार करने के पूर्व सिया कार्यालय द्वारा 01.00 हे. से कम लीज के संदर्भ में ई.डी.एस. जारी किया गया था, जिसके प्रतिउत्तर में कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला – सागर ने पत्र क्रमांक 1998 दिनांक 25/11/2022 के द्वारा जारी स्पष्टीकरण को मान्य कर आवेदन को स्वीकार किया गया है, अतः हमारा अनुरोध है कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला – सागर द्वारा जारी पत्र दिनांक 25/11/22 को मान्य किया जाये। अतः समिति की अनुशंसा है कि इस प्रकरण में उचित निर्णय सिया द्वारा लिया जाये तथा इस प्रकरण को पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर सिया को अंतिम निर्णय हेतु अनुशंसित किया जाये, जिस हेतु परियोजना प्रस्तावक ने अपनी सहमति दी। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मुरुम – 5000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 10.32 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 03.00 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
शासकीय एकीकृत शाला बरनावद मे एक कम्प्यूटर टेबल, लकड़ी की कुर्सी के साथ और 2 अलमारी	50,000

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	सिस्सू, चिरोल, नीम, जंगल जलेबी, करंज, सीताफल, खमेर, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	600
2	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	कदम्ब, कचनार, चिरोल, नीम, पीपल, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	200
3	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	इमली, आवंला, नीबू, बेल, आम, जामुन, कटहल, मुनगा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	400
कुल			1200

13. Case No 9463/2022 Shri Palash Vijayvargiya S/o Shri Narendra Vijayvargiya R/o Ward No. 13, Naka No. 03, District Rajgarh (MP)-465661, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.00 ha. (5002 Cum per annum) (Khasra No. 1/1/2), Village - Raghunathgarh, Tehsil - Rajgarh, Dist. Rajgarh (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1/1/2), Village - Raghunathgarh, Tehsil - Rajgarh, Dist. Rajgarh (MP) 1.00 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री पलाश विजयवर्गीय (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री संचित कुमार मेसर्स कॉग्नीजेंस रिसार्च इंडिया (प्रा. लि.) नोयडा उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 889 दिनांक 11/10/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 03 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 4.0 हे. होता है। इस प्रकार प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के अंदर एक शेड, उत्तर दिशा में 35 मीटर पर एक शेड, पश्चिम दिशा में 485 मीटर पर एम.पी. ई.बी. सर्विस स्टेशन, दक्षिण पूर्व दिशा में 295 मीटर पर आबादी, दक्षिण दिशा में 70 मीटर पर एच.टी. लाईन तथा उत्तर दिशा में 05 मीटर पर प्राकृतिक नाला है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि नाले के कारण 50 मीटर का सेटबैक छोड़ा गया है जो प्रस्तुतीकरण में दर्शाया गया है तथा संरक्षण हेतु गारलैंड ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन क्षेत्र में एक बबूल का पेड़ लगा है, जो काटा जायेगा तथा उसके एवज में 10 अतिरिक्त पेड़

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

लगाने का प्रस्तावक वृक्षारोपण योजना में दिया गया है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में नहीं है जिसके संदर्भ में प्रभारी अधिकारी खनिज ने एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 889 दिनांक 11/10/2022 में उल्लेख किया है कि उक्त खदान नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में जोड़ी जायेगी। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 5002 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 06.81 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 02.21 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.20 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम रघुनाथगढ़ के नजदीक स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ अधिकारी के परामर्श से 2 व्हील चैयर्स एवं 2 बी पी मशीन एवं 2 शुगर टेस्टिंग मशीन प्रदान की जावेगी	20,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1210 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- पीपल, मोलश्री, करंज, सफेद केस्टर, चिरोल, जंगल जलेबी, पुत्रंजीवा, सिस्सू, नीम आदि।	310
2	खदान क्षेत्र के परिवहन मार्ग के दोनों ओर 300 मीटर तक (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- करंज, सप्तपर्णी, चिरोल, जंगल जलेबी, पुत्रंजीवा, नीम, सिस्सू, कटंग बांस आदि।	200
3	ग्राम रघुनाथगढ़ में ग्राम वासियों को फलदार पौधे वितरण हेतु	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- संतरा, आम, मुनगा कटहल, आवला आदि।	700
कुल			1210

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

14. Case No 9470/2022 Shri Satish Gaur, Owner, R/o village Chotlay, Tehsil Seonimalwa, District Naramdapuram (MP) 461221, Prior Environment Clearance for Murum Quarry in an area of 1.90 ha. (19200 Cum per annum) (Khasra No. 60/2), Village - Dhamasa, Tehsil - Dolariya, Dist. Naramdapuram (MP)

This is case of Murum Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 60/2), Village - Dhamasa, Tehsil - Dolariya, Dist. Naramdapuram (MP) 1.90 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री सतीश गौर (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इंडिया प्रा.लि., नोयडा, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 733 दिनांक 06/10/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, जिनका कुल रकबा 3.40 हे. होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के पूर्व दिशा में 110 मीटर पर पक्का रोड़, पश्चिम दिशा में 250 मीटर पर कच्चा रोड़ तथा उत्तर दिशा में 370 मीटर पर आबादी है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित खनन क्षेत्र में 12 पेड़ लगे हैं, जिनमें से 03 काटे जायेंगे तथा उसके एवज में 30 अतिरिक्त पेड़ लगाये जायेंगे। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-35 के सरल क्रमांक-2 पर दर्ज है तथा खनन के दौरान ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मुरुम – 19,200 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 08.62 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.88 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जायें :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम धमासा के ऑगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों के बैठने की लिए 10 टेबल-कुर्सी एवं ऑगनवाड़ी की आवश्यकता के अनुरूप पेयजल की व्यवस्था इत्यादि की व्यवस्था सृदृढ़ की जायेगी।	50,000

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2310 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	सिस्सू नीम, बरगद, खमैर, चिरौल, सीताफल, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	500
2	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	नीम, पीपल, सेमल, चिरौल, करंज, अमलतास एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ, ।	100
3	धमासा ग्रामवासियों में वितरण हेतु	बेल, इमली, आंवला, कटहल, आम, जामुन अमरुद।	1685
4.	शासकीय विद्यालय धमासा, में	कदंब, अमलतास, अशोक, नीम, पुतरंजीवा, मौलश्री, गुलमोहर।	25
कुल			2310

15. Case No 9472/2022 Shri Bhupendra Singh S/o Shri Bacchu Singh R/o Village Pur, Post Pidora, Tehsil & District Bhind (MP)-477001, Prior Environment Clearance for Soil Quarry in an area of 1.40 ha. (3000 Cum per annum) (Khasra No. 62,68,1626), Village - Pur, Tehsil - Bhind, Dist. Bhind (MP)

This is case of Soil Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 62,68,1626), Village - Pur, Tehsil - Bhind, Dist. Bhind (MP) 1.40 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 22/12/22 को परियोजना प्रस्तावक श्री भूपेंद्र सिंह (ऑनलाईन) और उनकी ओर से पर्यावरण सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरिज इन्वायरोटेक इंडिया प्रा.लि., नोयडा, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 6377 दिनांक 14/09/2022 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार अनुसार खदान के दक्षिण दिशा में 140 मीटर पर नहर, दक्षिण-पूर्व दिशा में 280 मीटर पर पक्का रोड़ एवं उत्तर-पश्चिम दिशा में 295 मीटर पर आबादी है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रकरण मिट्टी खनन का है अतः ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है, खनन अधिकतम 02 मीटर की गहराई तक किया जायेगा तथा भट्टी की स्थापना भी आवंटित खनन क्षेत्र में नहीं की जायेगी।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन् क्षेत्र दो भागों में 02 भागों में (0.60 हे. तथा 0.80 हे.) आवंटित हुआ है क्योंकि खनन् क्षेत्र की न्यूनतम आवश्यकता 1.0 हे. है, जिसमें से 0.60 हे. वाले क्षेत्र में खनन् कार्य नहीं किया जायेगा, वहाँ पर सिर्फ साईट आफिस तथा लेबर फेसिलिटी डेव्हलप की जायेगी एवं खनन् कार्य 0.80 हे. वाले क्षेत्र में 02 मीटर गहराई तक ही किया जायेगा । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) द्वारा जारी एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 6377 दिनांक 14/09/2022 में उल्लेखित है कि उक्त खदान स्वीकृति उपरांत नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित की जायेगी। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्वाईल – 3,000 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.69 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 02.74 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम पुर के प्राथमिक पाठशाला में बच्चों के बैठने के लिए 8 टेबल- कुर्सी तथा रगाई-पुताई का कार्य कराया जायेगा।	50,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1680 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन मे	सिस्सू, नीम, बरगद, खमैर, चिरौल, सीताफल, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	500
2	परिवहन मार्ग (न्यूनतम ऊँचाई 01 मीटर)	शीशम, अमलतास, जामुन, करंज, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ,	200
3	पुर ग्रामवासियों में वितरण हेत	नीबू, मुनगा, आंवला, कटहल, आम, अमरुद।	960
4.	शासकीय विद्यालय पुर, में	कदंब, अमलतास, अशोक, नीम, गुलमोहर इत्यादि।	20

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

	कुल	1680
--	-----	------

16. **Case No 9477/2020 M/s SHIV LALJI CONSTRUCTION LLP, Shri Shandeep Madhwani, Director, 7th, Gulmarg Complex, Sapna Sangeeta, Main Road Indore(MP)-452001. Prior Environment Clearance for Construct Commercial Project at Plot No. D-69, Scheme No-151 & 169 B (Super Corridor) Indore M.P., Total Plot Area: 10560.85 m², Total Built up Area - 29517.88 m², Cat. 8(a), Env. Con.- M/s. Envisolve LLP Indore (M.P).**

This is a case of Prior Environment Clearance for Construct Commercial Project at Plot No. D-69, Scheme No-151 & 169 B (Super Corridor) Indore MP. Total Plot Area: 10560.85 m², Total Built up Area - 29517.88 m², at Village - Sindoda & Rangwasa, Tehsil - Rau, Dist. Indore, (MP).

The case was scheduled for the presentation but neither the Project Proponent (PP) nor his representative was present to explain the query which might be raised or to make any commitment desired by the committee during the deliberation. Committee decided to call the PP in subsequent meetings giving last chance and even if the PP remains absent, the case shall be returned to SEIAA assuming that PP is not interested to continue with the project.

17. **Case No 9166/2022 Shri Shankar Manchani, Napier Town, 88, Infront of Goodwill Complex, Dist. Jabalpur, MP - 482001 Prior Environment Clearance for Construction of "Muskan Park" (Hotel & Residential Building of House Corporation) [Total Project Area = 7544.14 sqm (0.75 ha.), Built-up Area = 34145.10 sqm] at Plot No. 7/2, 7/2-K, Napier Town, Tehsil & Dist. Jabalpur, (MP) (Cat. 8(a) Building and Construction Project) Env. Global Management and Engineering Consultant International, Jaipur (Raj.)**

This is case of Prior Prior Environment Clearance for Construction of "Muskan Park" (Hotel & Residential Building of House Corporation) [Total Project Area = 7544.14 sqm (0.75 ha.), Built-up Area = 34145.10 sqm] at Plot No. 7/2, 7/2-K, Napier Town, Tehsil & Dist. Jabalpur, (MP).

Earlier this case was scheduled in the SEAC 574th meeting dated 29-05-22 wherein ToR (Violation) was recommended. PP has submitted the EIA report forwarded through SEIAA on-line and the same was scheduled in the agenda.

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

पूर्व में यह प्रकरण राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) द्वारा 602 वीं बैठक दिनांक 03/11/2022 को अनुशंसा कर राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) को प्रेषित किया गया था जिसे राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा बैठक क्र. 758 वीं बैठक में रखा गया। समिति ने प्रकरण पर चर्चा की एवं पाया कि सिया ने निम्न बिंदुओं पर परियोजना प्रस्तावक एवं पर्यावरणीय सलाहकार से स्पष्टीकरण/संशोधन चाहा गया है :-

- रेमेडियल प्लान कार्यवाही विवरण में "Cut – Paste" प्रक्रिया के कारण अनेक विसंगतियां पाई गईं, जिससे प्रकरण का निराकरण करने में प्राधिकरण को असुविधा महसूस हो रही है।
- रेमेडियल प्लान में सलाहकार द्वारा अन्य प्रकरण की जानकारी प्रदाय की गई है जो कि त्रुटिपूर्ण है। सलाहकार द्वारा बिंदु क्र. 4(A) Land के तहत 13.18% क्षेत्रफल की खुदाई बताई है, जबकि ब्लॉक ए का क्षेत्रफल 569 वर्गमीटर के आस-पास है। इस प्रकार इसका ग्राउंड कवरेज 7% ही आता है। टॉप सोइल की मात्रा भी कम आकलित की गई है, जबकि यह 569 घन मीटर होना चाहिए जबकि रेमेडियल प्लान में मात्र 298.295 घन मीटर दिखाई गयी है। साथ ही भूमि की कीमत न दर्शाते हुए उसे स्वयं की भूमि बताकर इस लागत को कम किया गया है। इसी प्रकार वृक्षारोपण मद 7/P-6 में 76 वृक्ष की संख्या बताई गई है, किंतु केपीटल एवं रेकरिंग व्यय निरंक अंकित है।
- इसी प्रकार Environment Policy मद 9/P-6 पर भी दी गई टिप्पणी भी स्वीकार योग्य नहीं है। इस पर व्यय भी निरंक बताया गया है। मद-11 Source of Water में निर्माण एवं संचालन चरण में व्यय भी निरंक दिखाया है जबकि इन मदों पर परियोजना प्रस्तावक द्वारा निश्चित ही व्यय करना अनिवार्य है।
- 4ए में Environmental Management Plan कॉलम में "Land is in possession of Signature Builders & Colonizers under joint registered joint venture. All land records are enclosed with our EC Application उल्लेखित है। यह त्रुटि भी कट पेस्ट के कारण परिलक्षित हुआ है। सलाहकार द्वारा इतने गंभीर विषय पर भी लापरवाही चिंतनीय है।
- साईट पर पूर्व में दो-तीन से अधिक वृक्ष थे, जिन्हें हटाकर ब्लॉक ए का निर्माण किया गया, EIA में इनका कोई भी जवाब नहीं दिया गया है बल्कि यह भी उल्लेख किया गया है कि किसी भी प्रकार के वृक्ष काटे नहीं गये। यह गंभीर पर्यावरण उल्लंघन का मामला है।
- SEAC की 603वीं बैठक में प्रकरण क्र. 9252/2022 का Remedial Plan मद 12 में भी 500 KLD का STP रु. 40,00,000/- का दिखाया है, वही इस विचाराधीन प्रकरण में 100 KLD का STP के लिए भी रु. 40,00,000/- ही दर्शाया गया है। EIA त्रुटिपूर्ण है, जिसमें सलाहकार द्वारा गंभीर त्रुटियों की हैं।
- उपरोक्त सभी त्रुटियां गंभीर प्रकृति की हैं इन्हीं कार्यों की प्राक्कलित राशि से बैंक गारन्टी की राशि का निर्धारण किया जाता है जिसके आधार पर पर्यावरण उल्लंघन कर्ता प्रस्तावित कार्य करने को बंधनकारी होता है इस प्रकार सलाहकार की यह त्रुटी पर्यावरण उल्लंघन की स्थिति में "मानक संचालन प्रक्रिया" की मार्गदर्शिका की गंभीर अनदेखी है।
- इसी प्रकार Form 1 में Activity 1.1, 1.3 में भी इंदौर मास्टर प्लान का जिक्र दिखाया है जो कि सलाहकार की लापरवाही का एक और उदाहरण है।
- प्रकरण में यह भी पाया गया है कि सलाहकार द्वारा EIA में ToR के पेज नं. 6 के (d) की वांछित जानकारी भी नहीं दी गई है।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

- सलाहकार द्वारा प्रतिशत में बताई गई भौतिक प्रगति स्वीकार्य योग्य नहीं है। सलाहकार/परियोजना प्रस्तावक द्वारा किये गये कार्यों का विवरण एवं माप पूर्ण रूप से दिया जाना चाहिये जिससे परियोजना पर आवेदन दिनांक तक किये गये व्यय लागत का अनुमान लगाया जा सके।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा ब्लाक— ए में दर्शाये गये व्यय के आधार पर प्रति वर्गफिट व्यय रु. 607/— संगणित होता है जो कि काफी कम प्रतीत होता है। इसका भी वास्तविक व्यय एवं विवरण प्राप्त किया जावे। परियोजना प्रस्तावक की परियोजना अवधि वर्ष 2017 से 2022 तक (2017–18 , 2018–19 ,2019–20, 2020–21 एवं 2021–22) की आयकर रिटर्न्स, बैलेंस शीट एवं आवेदन दिनांक तक परियोजना पर किये गए व्यय की जानकारी प्राप्त की जावे।
- साथ ही इस परियोजना हेतु किसी वित्तीय संस्थान से ऋण लिया गया हो तो SEIAA में आवेदन दिनांक तक बैंक द्वारा दिनांकवार उपलब्ध कराई गई राशि की सत्यापित जानकारी प्रस्तुत करे।
- योजना पर किये गये व्यय का चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा प्रमाणित प्रमाण पत्र भी माँगा जावे साथ ही परियोजना प्रस्तावक द्वारा भी किये गए व्यय का शपथपत्र भी लिया जावे।

अतः सिया से प्राप्त निर्देशानुसार उपरोक्त सभी जानकारीयों परियोजना प्रस्तावक एवं पर्यावरणीय सलाहकार से प्राप्त करने बावत् ADS के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जाये तथा प्रकरण की पुरानी EIA remediation एवं Damage असेसमेंट प्लान को निरस्त मानते हुए नवीन EIA remediation एवं Damage असेसमेंट प्लान परियोजना प्रस्तुत करें। पर्यावरण सलाहकार भी उपरोक्तानुसार प्रकरण में की गई गंभीर त्रुटियों के लिए क्यों न कार्यवाही की जावे तथा प्रकरण नेबिट के ध्यान में लाया जाये के संदर्भ में अपना पक्ष/स्पष्टीकरण भी प्रस्तुत करें।

18. Case No 9252/2022 M/s Vrindavan Construction, Partner, Shri Arun Agrawal S/o Late Shri R.P.Agrawal, 250, Sagar Plaza, Zone-II, M.P. Nagar, Dist. Bhopal, MP. Environment Clearance for Proposed at Proposed “Sage Golden Spring” Residential Apartment located at Khasra No. - (10/1, 12, 13, 14, 15), (10/2/1, 12, 13, 14, 15), 11/1, (16/1, 18, 21), (16/2, 18, 21) 17/1/1, 17/1/2, 17/2/2, 17/3/1, 17/3/2, 28/1/1, 28/1/2, 28/2/1, 28/2/2, 29/1/1, (A) 29/1/1 (B) 29/1/2/1, 29/1/2/2, 84/1/1, (84/2/1, 85, 86/1), 84/2/2, 86/2, Village – Damkheda, Patwari Halka No. 21, Tehsil – Huzur & District – Bhopal (M.P.). Total Plot Area – 47170.00 Sq.mtr. (4.717 ha.), Built Up Area - 98714.54 square meter ha., Cat. - 8(a). Building and Construction projects. Env. Con. -Global Management and Engineering Consultants International, Jaipur, (Rajasthan).

This is case of Environment Clearance for Construction of "M/s Vrindavan Construction is developing “Sage Golden Spring” Residential Apartment Located at Village: Damkheda, Patwari Halka No. 21, Tehsil – Huzur & District – Bhopal, Madhya Pradesh on a land admeasuring 47,170 Square meter (4.717 Ha).

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

Earlier this case was scheduled for presentation and discussion in 583rd SEAC dated 30/06/2022 wherein ToR was recommended. PP has submitted the EIA report forwarded by SEIAA on-line and the same was scheduled in the agenda.

पूर्व में यह प्रकरण राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) द्वारा 603वीं बैठक दिनांक 04/11/2022 को अनुशंसा कर राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) को प्रेषित किया गया था जिसे राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा बैठक क्र. 758 वीं बैठक में रखा गया। समिति ने प्रकरण पर चर्चा की एवं पाया कि सिया ने निम्न बिंदुओं पर परियोजना प्रस्तावक एवं पर्यावरणीय सलाहकार से स्पष्टीकरण/संशोधन चाहा गया है :-

- रेमेडियल प्लान कार्यवाही विवरण में “Cut – Paste” प्रक्रिया के कारण अनेक विसंगतियां पाई गई, जिससे प्रकरण का निराकरण करने में प्राधिकरण को असुविधा महसूस हो रही है।
- Environment Policy मद 9/P-6 पर भी दी गई टिप्पणी भी स्वीकार योग्य नहीं है। इस पर व्यय भी निरंक बताया गया है। मद-11 Source of Water में Construction Phase में निर्माण एवं संचालन चरण में व्यय भी निरंक दिखाया है जबकि इन मदों पर परियोजना प्रस्तावक द्वारा निश्चित ही व्यय करना अनिवार्य है।
- 4ए में Environmental Management Plan कॉलम में “Land is in possession of Signature Builders & Colonizers under joint registered joint venture. All land records are enclosed with our EC Application” उल्लेखित है। यह त्रुटि भी कट पेस्ट के कारण परिलक्षित हुई है। सलाहकार द्वारा इतने गंभीर विषय पर भी लापरवाही चिंतनीय है। EIA त्रुटिपूर्ण है, जिसमें सलाहकार द्वारा गंभीर त्रुटियां की हैं।
- SEAC की 603वीं बैठक में प्रकरण क्र. 9166/2022 का Remedial Plan मद 12 में भी 100 KLD का STP रु. 40,00,000/- का दिखाया है, वही इस विचाराधीन प्रकरण में 500 KLD का STP के लिए भी रु. 40,00,000/- ही दर्शाया गया है।
- उपरोक्त सभी त्रुटियां गंभीर प्रकृति की हैं जो कि पर्यावरण उल्लंघन की स्थिति में “मानक संचालन प्रक्रिया” की मार्गदर्शिका की गंभीर अनदेखी है।
- उपरोक्त सभी त्रुटियां गंभीर प्रकृति की हैं इन्हीं कार्यों की प्राक्कलित राशि से बैंक गारन्टी की राशि का निर्धारण किया जाता है जिसके आधार पर पर्यावरण उल्लंघन कर्ता प्रस्तावित कार्य करने को बंधनकारी होता है इस प्रकार सलाहकार की यह त्रुटि पर्यावरण उल्लंघन की स्थिति में “मानक संचालन प्रक्रिया” की मार्गदर्शिका की गंभीर अनदेखी है।
- Form 1 में Activity 1.1, 1.3 में भी इंदौर मास्टर प्लान का जिक्र दिखाया है जो कि सलाहकार की गंभीर त्रुटि है।
- प्रकरण में यह भी पाया गया है कि सलाहकार द्वारा EIA में ToR के पेज नं. 11 के (d) की वांछित जानकारी भी नहीं दी गई है।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

- सलाहकार द्वारा प्रतिशत में बताई गई भौतिक प्रगति स्वीकार्य योग्य नहीं है। सलाहकार/परियोजना प्रस्तावक को किये गये कार्यों का विवरण एवं माप पूर्ण रूप से दिया जाना चाहिये जिससे परियोजना पर आवेदन दिनांक तक किये गये व्यय लागत का अनुमान लगाया जा सके।
- परियोजना प्रस्तावक की परियोजना अवधि से आवेदन दिनांक तक आयकर रिटर्न्स, बैलेंस शीट एवं परियोजना पर किये गए व्यय की जानकारी मांगी जावे। योजना पर किये गये व्यय का चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा प्रमाणित प्रमाण पत्र भी माँगा जावे परियोजना प्रस्तावक द्वारा भी किये गए व्यय का शपथपत्र भी लिया जावे।
- साथ ही इस परियोजना हेतु किसी वित्तीय संस्थान से ऋण लिया गया हो तो SEIAA में आवेदन दिनांक तक बैंक द्वारा दिनांकवार उपलब्ध कराई गई राशि की सत्यापित जानकारी प्रस्तुत करे।

अतः सिया से प्राप्त निर्देशानुसार उपरोक्त सभी जानकारीयों परियोजना प्रस्तावक एवं पर्यावरणीय सलाहकार से प्राप्त करने बावत् ADS के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जाये तथा प्रकरण की पुरानी EIA remediation एवं Damage असेसमेंट प्लान को निरस्त मानते हुए नवीन EIA remediation एवं Damage असेसमेंट प्लान परियोजना प्रस्तुत करें। पर्यावरण सलाहकार भी उपरोक्तानुसार प्रकरण में की गई गंभीर त्रुटियों के लिए क्यों न कार्यवाही की जावे तथा प्रकरण नेबिट के ध्यान में लाया जाये के संदर्भ में अपना पक्ष/स्पष्टीकरण भी प्रस्तुत करें।

19. Case No 9270/2022 Shri Abhilash Kashyap, Owner, Lakshmev Bhawa Near Little Kingdom School Ke Pass, Shanta Mandir, Near Aastha Parishar, New Ramnagar, Adhartal, Dist. Jabalpur, MP - 482004, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 3.290 ha. (24290 cum per annum) (Khasra No. 521, 522) Village - Toormadar, Tehsil - Kundam, Dist. Jabalpur, MP

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 521, 522) Village - Toormadar, Tehsil - Kundam, Dist. Jabalpur, (MP) 3.290 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

प्रकरण सेक की 587वीं बैठक दिनांक 02/08/22 को प्रकरण की विवेचना के दौरान समिति ने पाया कि जबलपुर जिले के नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज को छोड़कर अन्य गौड खनिज) अनुमोदित हेतु अभी अप्राप्त है तथापि परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस प्रस्तावित खदान का उल्लेख नहीं है, अतः इस स्थिति में इस प्रकरण पर पर्यावरणीय अभिस्वीकृति हेतु विचार किया जाना संभव नहीं है साथ ही समिति की यह भी अनुशंसा है कि प्रकरणों को ऑनलाईन स्वीकार करते समय उपरोक्त स्थिति का ध्यान रखा जाये ताकि प्रकरणों के लम्बित रहने की स्थिति न बने। सिया द्वारा उपरोक्त प्रकरण को 753वीं बैठक दिनांक 26/10/22 को रिलिस्ट किया गया।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

आज दिनांक 05/11/22 को परियोजना प्रस्तावक अभिलाश कश्यप (ऑनलाईन) और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री संचित जैन, कागनीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि. गाजियाबाद, उ.प्र. उपस्थित हुए। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1526 दिनांक 17/5/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदान स्वीकृत/संचालित नहीं होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खदान के उत्तर-पश्चिम दिशा में 147 मीटर पर पक्का रोड़ स्थित है। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि लीज क्षेत्र में कुछ पेड़ लगे हैं। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जो पेड़ बैरियर जोन में लगे हैं उन्हें नहीं काटा जायेगा तथा आवंटित खनन क्षेत्र के मध्य में लगे 01 पेड़ में से 03 पेड़ काटे जाये उसके एवज में 30 अतिरिक्त लगाये जावेगे। प्रकरण के परीक्षण में पाया गया कि जबलपुर जिले की नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट सेक में परीक्षण हेतु अप्राप्त है। परियोजना ने बताया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जबलपुर के पत्र क्रमांक 1525 दिनांक 17/5/22 के माध्यम से सूचित किया है कि नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट बनाई जा रही है एवं नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस खदान का विवरण दर्ज किया जावेगा। इस संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश द्वारा एक अन्य प्रकरण में 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) निर्णय लिया है कि :-

“राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकारण द्वारा प्रकरण में विस्तृत चर्चा एवं परीक्षण उपरांत निम्नानुसार निर्णय लिया गया – चूंकि प्रकरण से संबंधित जिले की नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट सेक की अनुशंसा पर सिया द्वारा अनुमोदित की गई है जो कि 05 वर्ष के लिए वैध है एवं जिला स्तर पर नवीन खदानों की स्वीकृति की निरंतर प्रक्रिया होती है अतः ऐसे जिले जिनकी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित की जा चुकी है उनके द्वारा बाद में स्वीकृत प्रकरणों में जो कि पूर्व में जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किए गए हैं, उन प्रकरणों में पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किये जाना उचित होगा। पूर्व पर्यावरण अनापत्ति अनुमोदित होने पर संबंधित जिला खनिज अधिकारी द्वारा अधिसूचना में निहित निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप समावेश कर जिला पोर्टल पर अपलोड कर सिया एवं सेक को सूचित किया जाये”।

समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 24,290 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 10.98 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 1.47 लाख प्रति वर्ष।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 22 दिसम्बर 2022

3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
तूरमदार तालाब के किनारे वृक्षारोपण एवं सौंदर्यकरण कराया जाएगा।	1,00,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4000 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	चिरोल, नीम, जंगल जलेबी, रीठा, सीताफल, खमेर एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1000
2	सेजी ग्रामवासियों में वितरण हेतु	सीताफल, आवलौ, अमरुद, मुनगा, पपीता, निम्बू, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	2500
3	परिवहन मार्ग के दोनों तरफ (पेड़ों की न्यूनतम ऊँचाई 1 मीटर)	करंज, कदम, चिरोल, जंगल जलेबी, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	500
कुल			4000

सिया की 778वीं बैठक दिनांक 23/11/22 अनुसार परियोजना प्रस्तावक से सिया स्तर पर स्पष्टीकरण चाहा गया है किंतु प्रकरण त्रुटिवश आनलाईन सेक को प्राप्त हो गया है। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि सिया की 778वीं बैठक दिनांक 23/11/22 अनुसार यह प्रकरण आगामी कार्यवाही हेतु सिया को प्रेषित किया जाये।

(चंद्र मोहन ठाकुर)
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)
अध्यक्ष

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - e. Method of mining (Manual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.

35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

37. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

नोट 1 :- स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

नोट 2 :- विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

नोट 3 :- पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

नोट 4 :- पौधों की ऊँचाई/गोलाई –

नोट 5 :- भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

नोट 6 :- रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

Annexure- ‘B’

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled “Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area”.
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - f. Lease owner’s Name, Contact details etc.
 - g. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - h. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - i. Minable Potential of sand mine.
 - j. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - k. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA’s instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
 - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
 - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
 - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
 - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
 - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
 - vi. The mining activity shall be monitored by the Taluk level Force once in a month by conducting physical verification.
 - vii. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
 - viii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
 - ix. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP).
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.

35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

38. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

नोट 1 :- स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

नोट 2 :- विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

नोट 3 :- पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

नोट 4 :- पौधों की ऊँचाई/गोलाई –

नोट 5 :- भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

नोट 6 :- रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

Annexure- ‘C’

Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.
14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - l. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - m. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - n. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - o. Minable Potential of sand mine.
 - p. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - q. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised)

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
28. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Agranwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
36. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

नोट 1 :- स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

नोट 2 :- विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

नोट 3 :- पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

नोट 4 :- पौधों की ऊँचाई/गोलाई -

नोट 5 :- भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

नोट 6 :- रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ आँगनवाड़ी	03.5 फिट	05 से.मी.

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक ।	
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई ।	

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण ।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है ।

Annexure- 'D'

General conditions applicable for the granting of TOR

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas shall be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna .
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The under taking interalia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2nd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
 - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
 - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

- ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under “Ujjwala Yojna” to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
 - ✓ PP’s commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.
34. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
- ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
 - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 - ✓ Commitment that high density plantation (preferably using “Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.
 - ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area and handed over to Gram Panchayat after lease period.
 - ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
 - ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
 - ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए ।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है ।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।
- नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई –
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए ।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक ।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई ।		

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण ।

613वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 22 दिसम्बर 2022

- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियों आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.

36. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
37. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
38. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
39. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.